समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

मुंबई शहर मे लौटा पिंक सीज़न : वेटलैड्स मे 300 से अधिक फ्लैमिंगो दिखाई दिए, बर्डवॉचर्स मे उत्साह

Publisher

Published on 02 Dec 2025

मुंबई शहर और उपनगरों के वेटलैंड्स में एक बार फिर जीवन और रंगों की हलचल दिखाई देने लगी है। हाल ही में लगभग 300 से अधिक Greater Flamingo के लौटने की खबर के साथ शहर में “पिंक सीज़न” की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी फ्लैमिंगो का आगमन पक्षी प्रेमियों, पर्यावरण संरक्षकों और बर्डवॉचिंग समुदाय के लिए उत्साह का बड़ा कारण बन गया है। पिछले कुछ दिनों से वेटलैंड्स के आसपास सुबह-सुबह इन गुलाबी सूंदर पक्षियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने स्थानीय लोगों और फोटोग्राफर्स को आकर्षित किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लैमिंगो की यह वापसी शहर के पारिस्थितिक संतुलन और वेटलैंड्स की सेहत का सकारात्मक संकेत है। आमतौर पर फ्लैमिंगो हर वर्ष लंबी दूरी की प्रवास यात्रा के बाद नवंबर से फरवरी तक शहर के वेटलैंड्स में रुकते हैं। इस वर्ष उनकी संख्या बढ़ने से संकेत मिलता है कि वेटलैंड्स में भोजन की उपलब्धता और पानी की गुणवत्ता उनके अनुकूल है। यह स्थिति पर्यावरणीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर ऐसे समय में जब शहरीकरण की वजह से प्राकृतिक आवास तेजी से प्रभावित हो रहे हैं।

फ्लैमिंगो की वापसी के साथ शहर में पर्यावरणिक गतिविधियाँ भी बढ़ गई हैं। कई बर्डवॉचिंग ग्रुप्स ने सप्ताहांत के लिए विशेष कार्यक्रमों की घोषणा की है, जहां पक्षियों का अवलोकन, उनकी प्रजातियों की पहचान और वेटलैंड संरक्षण पर जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय नागरिकों ने भी सोशल मीडिया पर फ्लैमिंगो की तस्वीरें साझा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

शहर के पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि फ्लैमिंगो केवल पर्यटन या फोटोग्राफी का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि हमारे वेटलैंड इकोसिस्टम की गुणवत्ता को मापने का भी प्रमुख पैमाना हैं। उनकी संख्या बढ़ना दर्शाता है कि प्राकृतिक आवास अभी भी जीवंत है, लेकिन इससे यह भी स्पष्ट होता है कि संरक्षण की दिशा में अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। कई क्षेत्रों में वेटलैंड्स अतिक्रमण और कचरा प्रदूषण की वजह से खतरे में हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि इन प्राकृतिक स्थलों की रक्षा के लिए ठोस कदम

नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में फ्लैमिंगो की संख्या प्रभावित हो सकती है।

उपनगरों के वेटलैंड्स में सुबह के समय फ्लैमिंगो के झुंडों के साथ उनके गुलाबी रंग की झलक मन मोह लेने वाली दिखाई देती है। कई परिवार और बच्चे इन पक्षियों को देखने के लिए विशेष रूप से जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे वेटलैंड्स के आसपास स्वच्छता बनाए रखें, पक्षियों के बहुत करीब न जाएँ और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखें।

“पिंक सीज़न” का आगमन न केवल पर्यावरणीय संतुलन का प्रतीक है, बल्कि शहरवासियों के लिए प्रकृति से जुड़ने का एक खूबसूरत अवसर भी है। फ्लैमिंगो की चमकदार उपस्थिति ने शहर के वेटलैंड्स में नई ऊर्जा भर दी है और यह उम्मीद जगाई है कि आने वाले महीनों में उनकी संख्या और बढ़ सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.